- यूरोप में पादरी और कुलीन वर्ग समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए शांति की मांग कर रहे थे। इसलिए आंतरिक संघर्ष को समाप्त कर दिया गया और बीजान्टिन सम्राट एलेक्सियस प्रथम और पोप अर्बन द्वितीय ईसाई सेना की पहल पर सीरिया और यरूशलेम में चले गए थे। जो यहूदियों, ईसाईयो और इस्लाम सभी के लिए पवित्र स्थान था।

पुनर्जागरण काल

परिचय

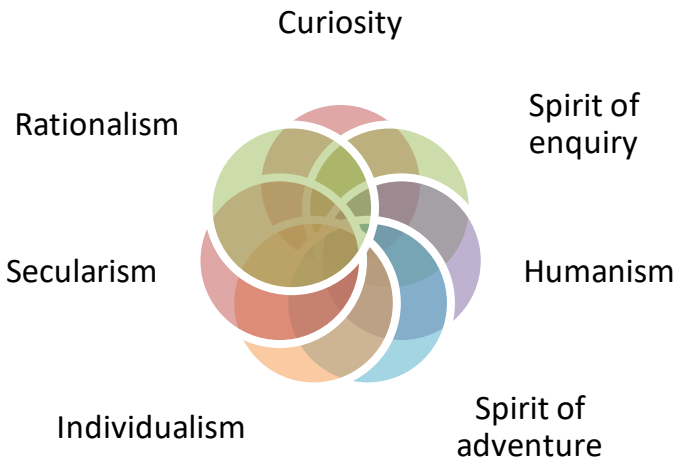

14वीं और 17वीं शताब्दी के मध्य की अवस्था को **बौद्धिक चेतना** के रूप में चिह्नित किया जाता है। जिसे पुनर्जागरण काल के रूप में भी संबोधित किया जाता है। पुनर्जागरण का शाब्दिक अर्थ है 'पुन: जागना। इससे निम्नलिखित विशेषताएं संबंधित थीं-

- **पुनर्जागरण के मूल में** मानवतावाद था अर्थात परलौकिकता की अपेक्षा इहलौकिकता **(मानवता) पर ध्यान केंद्रित** करना। यह धर्मशास्त्र की अपेक्षा मनुष्य और प्रकृति के अध्ययन की ओर एक परिवर्तन के रूप में प्रकट हुआ।
- यूरोपीय विद्वानों को काफी हद तक **ग्रीक और रोमन शास्त्रीय साहित्य ने आकर्षित** किया।जो **मानवतावाद** से ओतप्रोत था। यह **दुनिया के प्रति ईसाई धारणा का विरोधाभासी** था जिसमें मनुष्य को प्रभु की कृपा पाने के लिए एक पापी प्राणी के रूप में चित्रित किया गया था।
- **पुनर्जागरण ने मानविकी के अध्ययन पर अधिक बल दिया।** जिसमें व्याकरण, अलंकार, काव्य, इतिहास और नैतिक दर्शन का अध्ययन शामिल था। यह धर्म आधारित मान्यताओं की अपेक्षा तर्क आधारित चर्चा और बहस के माध्यम से विकसित व्यक्तिगत कौशल पर बल देता है।
- चर्च ने **रुढिवादी दर्शन को प्रधानता** दी। जो यह मानता था कि ध्यान, ज्ञान का स्रोत है। हालांकि, **पुनर्जागरण ने पुरुष, प्रकृति और ब्रह्मांड के बारे में एक वैकल्पिक दृष्टिकोण प्रस्तुत किया**।
- पुनर्जागरण के अनुसार, **अवलोकन, पर्यवेक्षण और प्रायोगिक ज्ञान के माध्यम से चेतना** प्राप्त की जा सकती है। इस समझ के कारण **वैज्ञानिक विचारों का विकास** हुआ। इन्हीं मान्यताओं के कारण इस काल के महान वैज्ञानिक कोपरनिकस, गैलीलियो, केपलर और न्यूटन आदि का उदय हुआ ।

- **इतिहास का मानवतावादी दृष्टिकोण** पुनर्जागरण से जुड़ा हुआ था। मानवतावादियों के अनुसार वे शताब्दियों से मानव पटल पर छाए अंधकार को समाप्त कर प्रकाश की राह दिखला रहे हैं अर्थात **'सच्ची सभ्यता'** को बहाल कर रहे थे। उनका मानना था कि रोमन साम्राज्य के पतन के बाद 'अंधकार युग' की शुरुआत हुई थी।
- **15वीं शताब्दी के शुरुआती वर्षों में प्रिंटिंग प्रेस (छपाई मशीन)** के आविष्कार से शिक्षा और नए विचारों का प्रसार हुआ। हालांकि इसका प्रभाव उन गरीबों पर कम पड़ा जो अशिक्षित थे।